प्रीलिम्स फैक्ट्स: 20 अगस्त, 2018

पीएफआरडीए ने साइबर सुरक्षा से निपटने के लिये एक स्थायी समिति

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने ग्राहकों के हितों की रक्षा के मद्देनज़र साइबर सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने के लिये कदम उठाने का सुझाव देने हेतु एक स्थायी समिति की स्थापना की है।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण

- इस अधिनियम को 19 सितंबर, 2013 में अधिसूचित और 1 फरवरी, 2014 से लागू किया गया।
- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) जिसके अभिदाताओं में केंद्र सरकार/राज्य सरकारों निजी संस्थानों/संगठनों और असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी शामिल हैं, का नियमन पीएफआरडीए द्वारा किया जाता है।
- भारत में वृद्धावस्था आय सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के अध्ययन के लिये भारत सरकार ने वर्ष 1999 में OASIS (वृद्धावस्था सामाजिक और आय सुरक्षा) नामक राष्ट्रीय परियोजना को मंजूरी दी थी।
- भारत सरकार द्वारा अंशदान पेंशन प्रणाली को 22 दिसंबर, 2003 में अधिसूचित किया गया जो 1 जनवरी, 2004 से लागू हुई और जिसे अब राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के नाम से जाना जाता है।
- 1 मई, 2009 से एनपीएस का विस्तार स्वैच्छिक आधार पर देश के सभी नागरिकों के लिये किया गया जिसमें स्वरोज़गार, पेशवरों और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

गेहूँ के जटिल जीनोम को समझने में मिली सफलता

एक महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक सफलता में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने, जिसमें 18भारतीय भी हैं, गेहूँ के जटिल जीनोम को समझने में सफलता प्राप्त की है जिसे अभी तक असंभव माना जा रहा था।

- इस जानकारी से उन जीनों की पहचान करने में मदद मिलेगी जो कि अनाज के उत्पादन, गुणवत्ता, बीमारियों और कीड़ों के प्रति प्रतिरोध के साथ-साथ सूखा, गर्मी, जलभराव एवं खारे पानी के प्रति गेहूँ की सहनशीलता के लिये उत्तरदायी होते हैं।
- के जीनोम को समझने में मिली सफलता से मौसम की मार को सहन कर सकने योग्य गेहूँ की प्रजातियों को विकसित करने में मदद मिलेगी जिससे कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को सीमित किया जा सकेगा।

SAAW और हेलीना का सफल परीक्षण

देश में विकसित किये गए SAAW (स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन) का परीक्षण राजस्थान के चंदन रेंज से भारतीय वायुसेना के जगुआर विमान के माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया।

- इसके अलावा टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल हेलीना का भी राजस्थान के पोखरण में सफल परीक्षण किया गया।
- इन दोनों हथियारों को डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है।
- SAAW युद्धक सामग्री से लैस था और यह सटीकता के साथ लक्ष्य पर निशाना साधने में सफल रहा।
- इसमें बेहतरीन दिशासूचक यंत्र का इस्तेमाल किया गया है, जो विभिन्न ज़मीनी लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।
- हेलीना दुनिया में अत्याधुनिक टैंक रोधी हथियारों में से एक है।
- SAAW को भारतीय वायुसेना के लिये जबकि हेलीना मिसाइल को भारतीय थलसेना के लिये विकसित किया जा रहा है।

एशयिन गेम्स 2018:बजरंग पूनिया ने जीता पहला स्वर्ण पदक

हरयाणा के झज्जर ज़लि के 24 वर्षीय भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने 18वें एशयिन गेम्सके पहले ही दनि देश के लयि पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतहिास रच दयि।

- बजरंग ने यह मेडल पुरुषों के 65 कलिोग्राम भारवर्ग की फ्रीस्टाइल स्पर्द्धा में जापान के पहलवान ताकातनिी दायची को हराकर जीता।
- बजरंग ने सेमीफाइनल मुकाबले में मंगोलयि के बाटमगनाई बैटचुलुन को 10-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कयि।

बजरंग पूनयि की बड़ी उपलब्धयिँ

स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
एशयिन गेम्स 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 एशयिन चैंपयिनशपि 2017 एशयिन इंडोर गेम्स 2017 कॉमनवेल्थ चैंपयिनशपि 2017 कॉमनवेल्थ चैंपयिनशपि 2016	एशयिन गेम्स 2014 एशयिन चैंपयिनशपि 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 वर्ल्ड अंडर-23 चैंपयिनशपि 2013	एशयिन चैंपयिनशपि 2018 वर्ल्ड चैंपयिनशपि 2013 एशयिन चैंपयिनशपि 2013

एशयिन गेम्स के बारे में

- 18वें एशयिाई खेलों (एशयिन गेम्स) का आयोजन इंडोनेशयि की राजधानी जकार्ता में कयि जा रहा है। इससे पहले वर्ष 1962 में जकार्ता में इन खेलों का आयोजन कयि गया था।
- एशयिाई खेल- 2018 का आयोजन इंडोनेशयि के जकार्ता और पालेमबांग में कयि जा रहा है। यह पहली बार है जब एशयिाई खेलों का आयोजन दो शहरों में कयि जा रहा है।
- एशयिाई खेल- 2018 के उद्घाटन समारोह में भाला फेंक खलिाड़ी नीरज चोपड़ा ने भारतीय दल की अगुवाई की।
- एशयिाई खेलों में एशयि के 45 देशों के लगभग 11,000 खलिाड़ी भाग ले रहे हैं। ये सभी खलिाड़ी 40 खेलों की 465 स्पर्द्धाओं में भाग लेंगे।
- एशयिाई खेलों को एशयिाड नाम से भी जाना जाता है। इसका आयोजन प्रत्येक चार वर्ष में कयि जाता है।
- 18वें एशयिाई खेलों के तीन शुभंकर भनि-भनि (स्वर्ग की चड़ियि), अतुंग (एक हरिण) और काका (एक गैंडा) है।
- इन तीन शुभंकरों ने एक शुभंकर द्रावा का स्थान लयि है। ये तीनों शुभंकर देश के पूर्वी, पश्चमी और मध्य क्षेत्र का प्रतनिधित्वि करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-20-08-2018